

वन विभाग विज्ञप्ति

जोधपुर, जूलाई 12, 1953

संख्या : ए.2 (6) वन/89-बू कि इसकी साथ संलग्न प्रथम अनुसूची में बतलाई गई वन भूमि अवका बंजर भूमि शब्दों की व्याख्या है या उसमें सरकार स्वामित्व अधिकार रखती है अथवा सरकार उसकी सम्पूर्ण वन रूप में या उसकी किसी भाग की हकदार है।

घोर भूमि सरकार पूर्वीय वन भूमि घोर बंजर भूमि की राजस्थान वन अधिनियम, 1953 की धारा 29 की उप-धारा (3) के अधीन स्थित वन घोषित करने का विचार रखती है।

घोर भूमि पूर्वीय भूमि में अथवा उस पर सरकार घोर प्राइवेट व्यक्तियों के अधिकारों के प्रकार और सीमा का ज्ञान तक किसी प्रकार का अभिलेखन नहीं किया गया है।

घोर भूमि सरकार यह भी सोचती है कि पूर्वीय वन भूमि अथवा बंजर भूमि में जबकि उन पर सरकार काबू प्राप्त अधिकारों के प्रकार और सीमा के विषय में जानकारी के अभाव में उनका अभिलेखन कराया जाना आवश्यक है, परन्तु इन कार्य में इतना अधिक समय लग जायेगा कि जिसके बीच में सरकार के अधिकारों की क्षति पहुँचने की आशंका है।

अतः अब राजस्थान वन अधिनियम, 1953 (1953 का अधिनियम संख्या 13) की धारा 29 की उप-धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में सरकार एतद्वारा वन वर्गों के अधिकारी/सहायक वन वर्गों के अधिकारी को पूर्वीय वन भूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकार या प्राइवेट व्यक्तियों के अधिकारों की जाँच तथा अभिलेखन करने के लिये नियुक्त करती है जो कि व अभिलेखन, जहाँ तक व्यवहार्य हो उपर्युक्त अधिनियम की धारा 6, 7, 8, 10, 11 (1), 12, 14 17, 18 और 19 में प्रवाहित विधि के अनुसार ही किया जावेगा।

घोर उपर्युक्त अधिनियम की धारा 29 की उप-धारा (3) के परन्तु (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अन्तर्गत अनुसरण में राजस्थान सरकार पूर्वीय जाँच और अभिलेखन होने तक एतद्वारा स्थित वन भूमि घोर बंजर भूमि की स्थिति वन घोषित करती है, परन्तु इसके व्यक्तियों अथवा वर्गों के वर्तमान अधिकारों में कमी नहीं होगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और उनकी धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अन्तर्गत अनुसरण में सरकार यह भी घोषित करती है कि इसकी साथ संलग्न प्रथम अनुसूची में दिये गये स्थित स्थित वन में स्थित भूमि इस विज्ञप्ति के राज-पत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रारम्भित निर्देशों के अन्तर्गत पूर्वीय जाँच की स्थिति वन में किसी प्रकार के पशु चराया जाना या कृषि या मोचला जलाना या किसी वन रूप का न किया जाना या किसी निर्माण प्रक्रिया या साधन बनाया जाना और स्थित वन में किसी भूमि की क्षति के लिये या नुकसान बनाने के लिये या पशु चराने के लिये अथवा किसी अन्य उपयोग के लिये सीमा जाना न किया जाना निर्दिष्ट करती है।

प्रथम अनुसूची (वन-भूमि घोर बंजर भूमि)
द्वितीय अनुसूची (आरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,
(एन. एन. दत्त)
उप-शासन सचिव।

प्रथम अनुसूची

क्रमांक	नाम थलाक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	विवरण
1	2	3	4	5	6
1.	जालसागर	जोधपुर	जोधपुर	उत्तर:-सड़क जोधपुर से केरपुरा की पूर्व:-धीमा थान पूंजला दक्षिण:-सीमा थान नडासिया। 1893 390.16 मै. में पश्चिम:-रेलवे लाईन भाईका थान से मन्डोर व पहाड़वांज की सीमा थान पूंजला	3 मी. 130.10 4 मी. 2.10 5 मी. 84.00 4. 607.08 बीघा एकड़ 442.82 हेक्टर 95.26

Scanned by CamScanner